बुद्धि
(Intelligence)

Presented by

DR. MUKESH KUMAR

Associate Professor
Department of Educational Studies
Mahatma Gandhi Central University
East Champaran, Bihar

शिक्षा का अंतिम उत्पाद एक मुक्त रचनात्मक मानव होना चाहिए, जो ऐतिहासिक परिस्थितियों और प्रकृतिक आपदाओं के विरुद्ध लड़ाई लड़ सके.

– सर्वपल्ली राधाकृष्णन

बुद्धि

बुद्धि एक सामान्य योग्यता है जिनके द्वारा व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों को समझता है और उनके अनुसार अपने व्यवहार में यथोचित परिवर्तन करता है। बुद्धि के सहारे ही वह विभिन्न समस्याओं को सुलझाकर व्यवहारिक जीवन में सफलता प्राप्त करता है।

बुद्धि की विशेषतायें

- बुद्धि एक जन्मजात शक्ति है। यह वशानुक्रम से प्राप्त होती है।
- बुद्धि वह शक्ति है जिसके द्वारा व्यक्ति कठिनाइयों को दूर करके परिस्थितियों के अनुसार अपने व्यवहार का संगठन करता है।
- बुद्धि सीखने की क्षमता है।
- बुद्धि अतीत के अनुभवों से लाभ उठाने की योग्यता है।

बुद्धि की विशेषतायें

- बुद्धि अमूर्त चिन्तन की योग्यता है। अर्थात बुद्धि के द्वारा जो प्रत्यक्ष नहीं है उसके बारे में सोच–विचार सकते है।
- बुद्धि विभिन्न योग्यताओं का समूह है।
- बुद्धि सभी प्रकार की विशिष्ट योग्यताओं का निचोड़ है।
- बुद्धि द्वारा अर्जित ज्ञान का नई परिस्थितियों में उपयोग किया जा सकता है।

बुद्धि की विशेषतायें

- बुद्धि और ज्ञान में अन्तर होता है।
- लिंग भेद के कारण बुद्धि में अन्तर दिखायी नहीं पड़ता।
- बुद्धि में आत्मनिरीक्षण की शक्ति होती है। व्यक्ति द्वारा किये गये कार्यों और विचारों की आलोचना बुद्धि स्वयं करती है।
- बुद्धि किसी समस्या को समझने का प्रयत्न करती है। और समझकर मस्तिष्क को निर्णय के लिए प्रेरित करती है।

बुद्धि और ज्ञान में अन्तर

- बुद्धि वंशानुक्रम द्वारा प्राप्त एक जन्मजात शक्ति है जबकि ज्ञान अर्जित शक्ति है अर्थात ज्ञानार्जन वातावरण में होता है।
- बुद्धि स्थिर होती है अर्थात बुद्धि घटती या बढ़ती नहीं है जबकि ज्ञान अर्जित करने से बढ़ता है।
- अधिक ज्ञान से बुद्धि का विकास नहीं हो सकता जबकि अधिक बुद्धि से ज्ञान का विकास होता है।

बुद्धि और ज्ञान में अन्तर

- एक व्यक्ति विद्वान हो सकता है किन्तु आवश्यक नहीं कि वह बुद्धिमान भी हो इसी प्रकार यह आवश्यक नहीं कि जो बुद्धिमान होगा वह विद्वान भी होगा।
- बहुत सी बातों को जानना ज्ञान है किन्तु उनका उपयोग करना बुद्धि है।
- यदि व्यक्ति की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है तो उसका ज्ञान समाप्त हो जाता है।

बुद्धि और ज्ञान में अन्तर

- मनोवैज्ञानिक रॉस ने कहा है कि ''बुद्धि लक्ष्य है और ज्ञान उस सीमा तक पहुचने का केवल एक साधन है।''

- मनोवैज्ञानिक बेलार्ड ने कहा है कि– ''बुद्धि वह मानसिक योग्यता है जो कि ज्ञान, रूचि एवं आदत रूपी साधनों से नापी जाती है।

बुद्धि और ज्ञान में अन्तर

- सांसारिक जीवन में प्रयोग में लाने योग्य ज्ञान या विचार ही बुद्धि है। ये विचार एडमस महोदय ने व्यक्त किये।

- बुद्धिमान व्यक्ति कठिनाइयों का सामना सरलता पूर्वक कर सकता है, जबकि ज्ञानी व्यक्ति ऐसा करने में असमर्थ हो सकता है।

बुद्धि के प्रकार

- मनोवैज्ञानिक थार्नडाइक ने बुद्धि को कई शक्तियों का समूह माना है इस आधार पर उन्होंने बुद्धि के निम्नलिखित तीन प्रकार बताये है–
- अमूर्त बुद्धि
- सामाजिक बुद्धि
- गामक या यांत्रिक बुद्धि

बुद्धि के प्रकार

गैरेट महोदय ने बुद्धि के निम्नलिखित तीन प्रकार बताये है–

- मूर्त बुद्धि
- अमूर्त बुद्धि
- सामाजिक बुद्धि

मूर्त बुद्धि को थार्नडाईक ने गामक या यान्त्रिक बुद्धि कहा है।

बुद्धि मापन

- नियंत्रित परिस्थितियो में किसी व्यक्ति, समूह अथवा घटना का अवलोकन परीक्षण कहलाता है। जिन उपकरणों की सहायता से प्रयोगकर्ता क्रमबद्ध तथा व्यवस्थित ढंग से व्यवहार की जानकारी प्राप्त करता है परीक्षण कहलाता है।
- मानसिक आयु (Mental Age)
- वास्तविक आयु (Chronological Age)
- बुद्धिलब्धि (Intelligence Quotient)

मानसिक आयु (Mental Age)

- मानसिक आयु किसी विशेष आयु मे बालक की मानसिक परिपक्वता को प्रकट करती है। अर्थात मानसिक आयु किसी व्यक्ति के द्वारा प्राप्त विकास की सीमा की वह अभिव्यक्ति है जो उसके कार्यो द्वारा जानी जाती है। और किसी आयु विशेष में उसकी अपेक्षा होती है।

उदाहरणार्थ– किसी बालक की मानसिक आयु 10 वर्ष बताई जाती है, वह परीक्षा के अनुसार 10 वर्ष की उम्र के सामान्य बालकों के समान कार्य करने में सफल होता है।

वास्तविक आयु (Chronological Age)

- किसी व्यक्ति की वह आयु जो वास्तविक है।

बुद्धिलब्धि (Intelligence Quotient)–

- सर्वप्रथम स्टर्न ने बुद्धि लब्धि का प्रत्यय मनोविज्ञान को दिया। यह प्रत्यय वास्तव में बुद्धि की मात्रा को व्यक्त करने के लिए उपयोग में लाया गया। दूसरे शब्दों में व्यक्ति के पास कितनी बुद्धि की मात्रा है उसकी माप या उसके द्वारा उपलब्ध बुद्धि ही बुद्धि लब्धि है।

बुद्धिलब्धि का सूत्र

$$\text{बुद्धिलब्धि(IQ)} = \frac{\text{मानसिक आयु (Mental Age)}}{\text{वास्तविक आयु (Chronological Age)}} \times 100$$

बुद्धि लब्धि का वर्गीकरण

बुद्धि लब्धि	बुद्धि स्तर
140–200	प्रतिभाशाली (Genius)
120–140	प्रखर बुद्धि (Very Superior)
110–120	उत्कृष्ट बुद्धि (Superior)
90–110	सामान्य बुद्धि (Avarage)
80–90	मन्द बुद्धि (Dull)
70–80	निर्बल बुद्धि (Feeble Minded)
50–60	मूर्ख (Moron)
25–50	मूढ़ (Imbecile)
25–Below	जड़ बुद्धि (Idiot)

बुद्धि परीक्षणों के प्रकार

बुद्धि परीक्षणों के द्वारा बौद्धिक व्यवहारों का मापन किया जाता है। बुद्धि परीक्षणों से अभिप्राय ऐसे परीक्षणों से है जो बुद्धि लब्धि के माध्यम से व्यक्ति के सामान्य बौद्धिक स्तर व उसमें उपस्थित विभिन्न योग्यताओं के बारे में दर्शाये। प्रमुखतः बुद्धि परीक्षणों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है–

- वैयक्तिक तथा सामूहिक
- शाब्दिक तथा अशाब्दिक

बुद्धि परीक्षणों के प्रकार

दोनों वर्गों के मिश्रण के आधार पर बुद्धि परीक्षणों को निम्नलिखित चार वर्गों में रखा जा सकता है–

- वैयक्तिक शाब्दिक बुद्धि परीक्षण
- वैयक्तिक अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
- सामूहिक शाब्दिक बुद्धि परीक्षण
- सामूहिक अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण

प्रमुख बुद्धि परीक्षण

- रेवेन्स उत्तरोत्तर रूपांकन परीक्षण
  (Reven's Progressive Matrices Test)

- भाटिया बुद्धि परीक्षण बैटरी
  (Bhatia's Intelligence Test Battery)

परीक्षणों का उपयोग

- विद्यालयों में विभिन्न अध्ययन उद्देश्यों के लिए
- मन्द एवं उत्कृष्ट बुद्धि के बालकों में अन्तर के लिए
- बाल्यकाल की श्रेष्ठता एवं प्रौढ़ावस्था के उपार्जन में सम्बन्ध के लिए
- प्रतिभा की पहचान एवं व्याख्या के लिए
- लिंग–भेदों के अध्ययन के लिए

परीक्षणों का उपयोग

- औद्योागिक क्षेत्र में अध्ययन के लिए
- औद्योगिक क्षेत्र में चयन के लिए
- ठीक कार्य न मिलने से असन्तुष्ट कर्मचारियों का पता लगाने के लिए
- प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त कर्मचाारियों का पता लगाने के लिए

परीक्षणों का उपयोग

- निपुणता के लिए आवश्यक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए
- राष्ट्रीय एवं प्रजातीय अन्तरों के अध्ययन के लिए
- उपचार के लिए
- बाल–अपराध वृत्ति के निरोध एवं उपचार के लिए
- सेना में चयन के लिए
- अनुसन्धान आदि के लिए

धन्यवाद !